



PROF. (DR.) NARINDAR NATH KHANNA

Prof. (Dr.) Narindar Nath Khanna is a former Professor of Surgery and Director, Institute of Medical Sciences, Banaras Hindu University. He has been instrumental in developing Surgical Oncology and Plastic Surgery during his tenure at BHU. After superannuation more than 25 years ago he has been delivering selfless free surgical care to the poor patients of Eastern Uttar Pradesh and adjoining states.

2. Born on 17th December, 1933 in Bannu, West Punjab, Prof. (Dr.) Khanna arrived as a penniless refugee and settled in Dehradun in 1947 where he obtained his school education from DAV College. Thereafter, he got MBBS degree and then MS (Surgery) degree in 1960 from K.G.M.C., Lucknow. Subsequently, he joined as Lecturer in Department of Surgery, B.H.U. and was promoted as Professor in 1970. He served as Dean, Faculty of Medicine and Director, Institute of Medical Sciences and retired in 1993 from that post.

3. As a surgical teacher, Prof. (Dr.) Khanna has mentored more than 100 surgeons in their careers who are serving citizens in all parts of our country. He has authored 150 scientific publications and delivered keynote orations in various medical institutions of India and abroad. He has been a pioneer in the field of head and neck cancer and reconstructive surgery. As a Director of Institute of Medical Sciences, he was responsible for its up-gradation to a national centre of excellence.

4. Even after superannuation over 25 years ago, Prof. (Dr.) Khanna has been providing surgical care of the highest level at nominal costs to poor patients in association with Mata Anandmayi Hospital, Varanasi. He continues to mentor and advise his surgical colleagues and students who regard him as a 'Grandmaster of Surgery'.

5. For his seminal work in developing the specialities of Oncology and Plastic Surgery, Prof. (Dr.) Khanna was decorated with the prestigious Dr B.C. Roy National Award in 1995. He was conferred the Fellowship of the National Academy of Medical Sciences and numerous oration-awards during his illustrious career. He has been a visiting Professor to New Zealand, Libya and Czechoslovakia. He has served as the President of Indian Association of Surgical Oncology and editor of Indian Journal of Plastic Surgery.





डॉ. नरेंद्र नाथ खन्ना

डॉ. नरेंद्र नाथ खन्ना, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व शल्य चिकित्सा प्रोफेसर और पूर्व निदेशक हैं। उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में अपने कार्यकाल के दौरान सर्जिकल ऑनकोलॉजी और प्लास्टिक सर्जरी विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सेवानिवृत्ति के बाद पिछले 25 वर्ष से भी अधिक समय से वह पूर्वी उत्तर प्रदेश और उसके आसपास के राज्यों के गरीब मरीजों की निःस्वार्थ निःशुल्क सर्जिकल देखभाल कर रहे हैं।

2. बन्नू, पश्चिम पंजाब में 17 दिसम्बर, 1933 को जन्मे, डॉ. खन्ना 1947 में शरणार्थी के रूप में खाली हाथ आए थे और वह देहरादून में आकर बस गए। यहां उन्होंने डीएवी महाविद्यालय से स्कूली शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद, उन्होंने केजीएमसी, लखनऊ से एमबीबीएस और उसके बाद 1960 में एमएस (सर्जरी) की उपाधि प्राप्त की। तत्पचात, वह बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के सर्जरी विभाग में व्याख्याता के रूप में नियुक्त हुए और 1970 में प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत हुए। उन्होंने आयुर्विज्ञान संस्थान के चिकित्सा संकाय के डीन और निदेशक के रूप में सेवाएं प्रदान की तथा 1993 में इसी पद से सेवानिवृत्त हुए।

3. शल्य चिकित्सा के अध्यापक के रूप में, डॉ. खन्ना ने अपने पेशेवर जीवन में 100 से अधिक शल्य चिकित्सकों का मार्गदर्शन किया है जो आज हमारे देश के सभी हिस्सों में लोगों की सेवा कर रहे हैं। उनके विज्ञान संबंधी 150 लेख प्रकाशित हो चुके हैं और उन्होंने भारत तथा विदेश के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में मुख्य व्याख्यान दिए हैं। वह सिर और गर्दन के कैंसर तथा रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के क्षेत्र के अग्रणी विशेषज्ञ हैं। आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक के रूप में, उन्होंने राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में इसका उन्नयन कराया।

4. 25 वर्ष से अधिक समय पूर्व सेवानिवृत्त होने के बाद भी, डॉ. खन्ना, माता आनंदमयी अस्पताल, वाराणसी के सहयोग से गरीब मरीजों को नाममात्र शुल्क पर उच्चस्तरीय सर्जिकल सेवा प्रदान कर रहे हैं। वह अपने सर्जिकल सहकर्मियों तथा छात्रों को जो उन्हें "सर्जरी का ग्रैंडमास्टर" मानते हैं का निरंतर मार्गदर्शन और सलाह प्रदान कर रहे है।

5. डॉ. खन्ना को, ऑनकोलॉजी और प्लास्टिक सर्जरी विशेषज्ञता से जुड़े उनके मौलिक कार्य के लिए, 1995 में प्रतिष्ठित डॉ. बी. सी. रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें अपने शानदार पेशेवर जीवन के दौरान राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी की अध्योतावृत्ति प्रदान की गई तथा अनेक व्याख्यान पुरस्कार प्रदान किए गए। वह न्यूजीलैंड, लीबिया और चेकोस्लोवाकिया के विजिटिंग प्रोफेसर रहे हैं। उन्होंने इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ऑनकोलॉजी के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है और वह इंडियन जर्नल ऑफ प्लास्टिक सर्जरी के संपादक हैं।